6|8|2020 Economics (I.A)

(148)

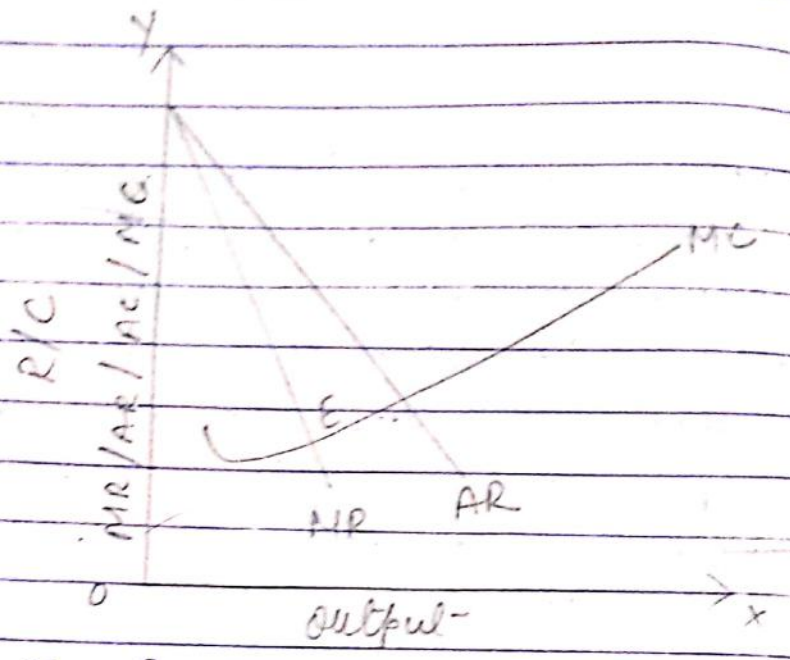

ii) MC, MR को नीचे से काटती है। फर्म के संतुलन को निम्न चित्र के द्वारा दिखाया गया है —

उपरोक्त चित्र में OX - axis पर output तथा OY - axis पर आय एवम् लागत को दिखाया गया है। AR औसत आय की रेखा है तथा MR सीमान्त आय की रेखा है। MC सीमान्त लागत की रेखा है। चित्र से स्पष्ट है कि E बिन्दु संतुलन का बिन्दु है। क्योंकि E बिन्दु पर MR = MC होता है तथा MC, MR को नीचे से काटती है। अतः E बिन्दु संतुलन का बिन्दु है।

MRS. ROBINSON ने एकाधिकार के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण में ED को महत्व दिया है। उन्होंने ED को मापने के लिए निम्न सूत्र को व्यक्त किया है -

$$e = \frac{AR}{AR - MR}$$

Scanned with CamScanner

6/08/2020

उपरोक्त समी० में, e = माँग की रेखा पर लोच
AR = औसत आय,
MR = सीमान्त आय,

उपरोक्त समी० को मूल्य के रूप में निम्न प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है —

$$AR = MR \times \frac{e}{e-1}$$

उपरोक्त सूत्र से स्पष्ट है कि एकाधिकारी का सीमान्त आय (MR) गुणा $\frac{e}{e-1}$ के बराबर होता है। संतुलन की स्थिति में MR = MC के बराबर होता है।

अतः

$$AR = MC \times \frac{e}{e-1}$$

एकाधिकार के अन्तर्गत फर्म के संतुलन को अल्पकाल एवम् दीर्घकाल में दिखाया जा सकता है —

A) अल्पकाल में फर्म का संतुलन :- अल्पकाल में एकाधिकारी को निम्न तीन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है -

i) Super normal profit - (अति सामान्य लाभ),
ii) Normal profit - (सामान्य लाभ),
iii) Loss (हानि)।

i) SUPER NORMAL PROFIT :- एकाधिकारी के अन्तर्गत